प्रेस रिलीज़

दी एशियन स्कूल चैलेन्ज अन्तर्विद्यालयी अंग्रेजी वाद–विवाद प्रतियोगिता

दी एशियन स्कूल के व्हाइट हाउस कोर्ट में आज दिनांक 23 अप्रैल 2016 की सांध्य बेला में वार्षिक अन्तर्विद्यालयी द एशियन चैलेंज वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का विषय था ''विभिन्न धर्म तथा जातियों के कारण भारत समान नागरिक संहिता के लिए अभी तैयार नहीं है'। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि माननीय मदनजीत सिंह जुनैजा रहे, जिनके परिसर में प्रवेश करते ही तालियों की गड़गड़ाहट और हैड गर्ल निकोल द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसमें उनका सहयोग प्रधानाचार्य श्री ए0के0दास तथा उप–प्रधानाचार्य ए0वी0डी0थपलियाल ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती ईरा चौहान, स्वतंत्र पत्रकार, अंजली नौरियाल, टाइम्स ऑफ इण्डिया पत्रकार, श्री आर के सिंह आई0टी0बी0टी0 अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष ने निर्णायक का स्थान ग्रहण किया। जिनको फूलों के गुलदस्ते प्रदान कर उनका भव्य स्वागत किया गया।

चेयरपर्सन सुदिति थपलियाल, कक्षा 12 ब ने सभा में उपस्थित प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत कराया। निम्नलिखित विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया–

शेरवुड स्कूल, नैनीताल
समरवैली स्कूल
सेन्ट जॉर्जस कॉलेज, मसूरी
सेन्ट जॉसफ अकेडमी
सेन्ट जूड्स स्कूल, देहरादून
द एशियन स्कूल
इकोल ग्लोबल इन्टरनेशनल गर्ल्स स्कूल

प्रतियोगिता में विजयी रहे प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार है–

बैस्ट स्पीकर पक्ष– शिवांग उनियाल, दी एशियन स्कूल, देहरादून।

बैस्ट स्पीकर विपक्ष'– अपूर्व गौरव विक्रम सिंह, शेरवुड कॉलेज, नैनीताल।

बैस्ट रीबटल पक्ष– ओजस्विता नेगी, सेन्ट जोसफ एकेडमी, देहरादून।

बैस्ट रीबटल विपक्ष– अपूर्व गौरव विक्रम सिंह, शेरवुड कॉलेज, नैनीताल।

बैस्ट टीम– शेरवुड कॉलेज, नैनीताल।

प्रथम रनर अप ट्रॉफी– दी एशियन स्कूल, देहरादून।

निर्णायकगणों ने अपने निर्णय से सभागार में उपस्थित जनसमूह को करतल ध्वनि के लिए विवश कर दिया।

ओवरऑल ट्रॉफी एवं पाँच हजार रूपये की नकद राशि ''शेरवुड कॉलेज, नैनीताल'' ने जीती। सभी प्रतियोगियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सर्टिफिकेट प्रदान किये गए।

डायरेक्टर गगनजोत जुनेजा, प्रधानाचार्य श्री ए0के0दास, उप प्रधानाचार्य श्री ए0वी0डी0थपलियाल, को–ऑरडिनेटर श्री मुकेश नागिया, हेडमिस्ट्रैस श्रीमती कल्पना ग्रोवर एवं विद्यालय के सभी अध्यापकगण ने निर्णायक मण्डल के फैसले की भूरी–भूरी प्रशंसा की। जनसमूह तथा विद्यार्थी गण सभी इस नतीजे से सहमत थे। इस प्रतियोगिता ने प्रत्यक्षदर्शियों को विद्यार्थियों के विचारों को सुनकर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि नई पीढ़ी जाग रही है। अतः भारत का भविष्य उज्ज्वल है।